

बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर वर्चुअल प्रशिक्षण शिविर कार्य दक्षता हेतु प्रशिक्षण जरूरी : मनरेगा आयुक्त



नवप्रदेश संवाददाता

रांची : मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा है कि कार्य में दक्षता हेतु प्रशिक्षण अति महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण से कार्य करने की क्षमता विकसित होगी और अच्छे से अपने दायित्वों को पूरा कर सकेगे। मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी शुक्रवार को बिरसा हरित ग्राम योजना के वित्तीय वर्ष 2022-23 में सफल क्रियान्वयन को लेकर राज्य के जेएसएलपीएस के सभी जिला

कार्यक्रम प्रबंधक, जिला आजीविका प्रबंधक, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक, मनरेगा के परियोजना पदाधिकारी, सहायक परियोजना पदाधिकारी एवं प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारियों को वर्चुअल प्रशिक्षण शिविर में दिशा निर्देश दे रही थीं। उन्होंने प्रशिक्षुओं से कहा कि बिरसा हरित ग्राम योजना के लक्ष्य के अनुरूप कार्य करें। उन्होंने शतप्रतिशत सीपीटी(एशु रोधक खाई) का कार्य करने का निर्देश दिया। राजेश्वरी बी

ने मिश्रित बागवानी के द्वारा आम जनों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में मिश्रित बागवानी के तहत किसानों को आम, नींबू, अमरुद एवं इमारती पौधा लगवाने के लिए प्रेरित करें, ताकि किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारा जा सके। कार्यक्रम में उन्होंने बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी भी दी।

अपर मुख्य सचिव ने की स्टेट टीबी टास्क फोर्स व टीबी फोरम की बैठक, जागरूकता का निर्देश

रांची। स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्टेट टीबी टास्क फोर्स और टीबी फोरम की बैठक की। डोरंडा स्थित नेपाल हाउस सभागार में आयोजित बैठक का उद्देश्य राज्य में चल रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को विभिन्न विभागों एवं गैर सरकारी संस्थाओं के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम के दिये जाने वाले सुविधाओं से रोगियों को जोड़ना और जागरूकता फैलाने में सहयोग करना है। इनमें मुफ्त जांच, उपचार एवं निक्षेप पोषण योजना की सुविधा इत्यादि के अलावा अन्य सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से सभी टीबी रोगियों को जोड़ना तथा लोगों के बीच जागरूकता फैलाने में सहयोग प्राप्त करना है। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय किया गया कि राज्य में टीबी से ग्रसित सुदूरवर्ती क्षेत्रों का भौगोलिक मानचित्रण कर टीबी उन्मूलन के लिए विशेष रणनीति बनाई जाय, जिसमें विभिन्न विभागों एवं टीबी के क्षेत्र में कार्य करने वाले गैर सरकारी संस्था की



भागीदारी सुनिश्चित हो। इस बैठक में कल्याण विभाग, श्रम नियोजन, वितरण विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, प्रशिक्षण एवं स्किल डेवलपमेंट, खान सीसीएल के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

एक नजर

सभी निजी विद्यालय असंवेदनशील : नायक

रांची। शिक्षा अधिकार कानून के प्रति राज्य के सभी निजी विद्यालय असंवेदनशील है और वे नहीं चाहते कि बीपीएल परिवार के दलित आदिवासी मूलवासी अल्पसंख्यक एवं उच्च जाति के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के गरीब बच्चों को शिक्षा अधिकार कानून का पूर्ण रूप से लाभ मिले और उन्हें भी 25 प्रतिशत नि-शुल्क गुणवत्ता युक्त शिक्षा मिले। उपरोक्त बातें शुक्रवार को झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष हटिया विधानसभा क्षेत्र के तराथी विजय शंकर नायक ने कही उन्होंने कहा सरकार एवं राज्य के सभी उपायुक्त जिला शिक्षा पदाधिकारी नोडल अफसर शिक्षा अधिकार कानून को कभी नहीं चाहते कि राज्य के सभी निजी विद्यालयों में बीपीएल परिवार के दलित आदिवासी मूलवासी अल्पसंख्यक एवं उच्च जाति के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के गरीब बच्चों को शत-प्रतिशत 25 प्रतिशत हिस्सा के तहत उन्हें हक और अधिकार के तहत उन बच्चों का नामांकन हो सके। नायक ने कहा कि मुझे एवं मंच के लोगों को काफी शिकायत मिल रही है कि निजी विद्यालय इन वर्गों के अभिभावकों को नामांकन लेने में तरह तरह का अड़गल लगाने का कार्य कर अभिभावकों को परेशान करने का कार्य किया जा रहा है।

बिजली पानी को लेकर राज्य में हाहाकार : लंबोदर

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह गोमिया विधायक लंबोदर महतो ने कहा है कि राज्य में बिजली और पानी को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। बाबजूद इसके राज्य सरकार की निष्क्रियता एवं उदासीनता बनी हुई है। महतो ने शुक्रवार को कहा कि बिजली की कटौती कई – कई घंटे हो रही है। जलापूर्ति की भी स्थिति अच्छी नहीं है। कई जगहों पर तो टंकी है, लेकिन पानी नहीं है। इससे जलापूर्ति बाधित है। लोग पानी की खोज में भटक रहे हैं। ग्रामीण इलाकों की तो स्थिति अत्यंत ही खराब है। सरकार का क्रियाकलाप ऐसा बना हुआ है कि जैसे इन विषयों से कोई सरकार नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में दसवीं एवं 12वीं सीबीएसई के बच्चों की परीक्षा चल रही है और बिजली की आंख मिचौली भी व्यापक रूप से जारी है। आम जनो की क्या कहे सरकार को छोटे-छोटे बच्चों की भी चिंता नहीं है। एड़ रही भीषण गर्मी से लोग बेहाल हैं। बुजुर्गों एवं मरीजों का हाल बुरा हो गया है।

कामरेड रेणु प्रकाश की प्रथम पुण्यतिथि पर शोकसभा

रांची। सीपीएम पार्टी कार्यालय के सभागार में आज कामरेड रेणु प्रकाश के प्रथम पुण्यतिथि पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया। कामरेड रेणु प्रकाश सीपीएम पार्टी के नेत्री होने के साथ साथ वो एक साहित्यकार, कवित्री और महिलाओं के आंदोलन से जुड़ी थी। कामरेड रेणु प्रकाश अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की राज्य कोषाध्यक्ष, जनवादी लेखक संघ, रांची की अध्यक्ष होने के साथ साथ एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में वरिष्ठों के लिए संघर्ष में बलिदान भरी रहती थी। इस सभा में विभिन्न सामाजिक, साहित्यिक व राजनैतिक संगठनों के लोग शामिल हुए जिसमें कॉम समीर दास, कॉम सुधेनु सेन, कॉम प्रफुल्ल लिंडा, नंदिता भट्टाचार्या, वीना लिंडा, गोरी सुसराता, विनय भूषण, सीपीआई के अंजन सिंह, माले के भुवनेश्वर केएट, सीटू के भूधन सिंह, के पी राय, नवीन चौधरी, बैंक युनियन के एम एल सिंह, सीटू के सुशांशु शेखर, सी पी एम के सुखान्वय लोहरा, बीरेंद्र कुमार, सानिया लिंडा ने अपने व्यक्तय रखे और भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। अमन पुत्र दिवंगत कामरेड रेणु प्रकाश ने अपने इस दुखद पहलू के अनुभव साझा करते हुए रो पड़े।

सरकार को बदनाम कर रहे हैं नौकरशाह : भाकपा

रांची : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव अजय कुमार सिंह एवं राष्ट्रीय जनता दल के निवर्तमान वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश यादव ने संयुक्त बयान जारी कर कहा है कि राज्य के नौकरशाह हेमंत सरकार को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। दोनों नेताओं ने कहा है कि झारखंड में पंचायत चुनाव जारी है। आदर्श आचार संहिता लागू हुआ है। उसके बावजूद खनन विभाग द्वारा स्टोन माइंस ब्लॉक का नीलामी की प्रक्रिया निरंतर जारी है। 28/4/2022 तक बिड़िया संबंधित कामजा एवं गारट्टी राशि का जमा करने का समय समाप्त कर दिया गया है, जो आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है एवं इस प्रक्रिया में झारखंड के कई निवासी व व्यवसाय भाग लेने से चूक जायेंगे। उन्होंने कहा कि यह झारखंड सरकार के फैसले के अनुकूल नहीं है इसलिए झारखंड सरकार से मांग कि जाति है की तत्काल प्रभाव से सभी नीलामी प्रतिक्रिया को स्थगित करते हुए आचार संहिता समाप्त होने पर पूरी प्रक्रिया को सुचारु रूप से पुनः जारी करें। ताकि अधिक से अधिक लोग इस प्रक्रिया में भाग ले सकें। जिससे झारखंड सरकार को अधिक से अधिक राजस्व की प्राप्त हो सके।

विचाराधीन मामले की चर्चा कोर्ट की अवमानना : प्रतुल

रांची : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कहा है कि झामुमो की प्रेस वार्ता में बिजली पानी की समस्या के चर्चा नहीं करना, उस पर कोई स्पष्टीकरण या जवाब नहीं देना दुर्भाग्यपूर्ण है। राज्य की बिजली पानी की जो समस्या है, राज्य की जनता के लिए उससे ज्यादा महत्वपूर्ण और कोई दूसरा विषय नहीं हो सकता। शुक्रवार को शाहदेव भाजपा प्रदेश मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में अपनी बात रख रहे थे। आगे उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली से लेकर रांची तक कोर्ट रूम के बाहर एक एजेंडा सेट किया जा रहा है।उच्च न्यायालय में विचाराधीन मामलों में एक सोची समझी साजिश के तहत पब्लिक ऑपिनियन बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के बाहर दिल्ली के गलियारों में या रांची के कोरीडोर में एक एजेंडा सेट किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एफे गारुटी एक सबजुडिस मामले पर अपना वक्तव्य देते हैं जबकि वह मामला हाई कोर्ट में चल रहा है जिसमें 2 अपीयरंस हो चुका है। शाहदेव ने कहा कि जस्टिस एफे गारुटी को जुडिशल कंडक्ट अच्छे से जानकारी है कि किसी न्यायालय में विचाराधीन मामले में सर्वजनिक टिप्पणी कर किसी को क्लीन चिट देना कोर्ट ऑफ कोर्ट के दायरे में आता है। उसके बावजूद वह सर्वोच्च न्यायालय के जजमेंट को दरकिनार करके एक वैनल को इंटरव्यू देने के दौरान राज्य सरकार को क्लीन चिट दिखा है।

समान नागरिक संहिता जल्द लागू हो : सुनील



रांची : राष्ट्र बाचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर केंद्र सरकार से कॉमन सिविल कोड जल्द से जल्द लागू करने की मांग की है। सुनील सिंह ने कहा कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 44 में समान सिविल संहिता का उल्लेख किया गया है। जिसे लागू करने की हम केंद्र सरकार से मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि एक देश में एक समान कानून लागू हो। उन्होंने कहा कि संविधान का मतलब ही होता है सब पर एक समान बराबर का विधान लागू होना। उन्होंने कहा कि आज देश में हिंदुओं के लिए अलग कानून, मुस्लिमों के लिए अलग, सिखों के लिए अलग और ईसाइयों के लिए अलग-अलग कानून लागू किए गए हैं, जो कि संविधान संगत नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 44 के तहत सभी नागरिकों को एक समान अधिकार प्राप्त है। जब हम कहते हैं कि हिंदू-मुस्लिम-सिख-ईसाई, आपस में है भाई-भाई, तो फिर अलग-अलग कानून लागू कर विभेद जैसा बर्ताव क्यों? सिंह ने कहा कि एक देश एक विधान, नहीं चलेगा वह विधान, किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए। सभी धर्मों के लोगों को एक समान अधिकार प्राप्त होने चाहिए। सिंह ने अपने बयान में वख्र बोर्ड के द्वारा जारी बयान की निंदा करते हुए कहा कि यह न तो उचित है और न ही संविधान के अनुरूप है।



मजबूत कर सकते हैं। अच्छे जीवन जीने के लिए अच्छ खाना और तनाव मुक्त मन रखना जरूरी है।

तनाव से दूर रहे का

प्रयास करें : वाइएस रमेश

जैप-1 के सीओ वाइएस रमेश ने कहा कि पुलिसकर्मी हर दिन नॉटवै च चीजों के बीच अपनी ड्यूटी करते हैं। हत्या, चोरी, डकैती, आत्महत्या जैसे अप्रिय घटनाओं का सामना करना पड़ता है। पुलिसकर्मीयों पर इसका प्रभाव पड़ता है। घर परिवार से दूर रहना, सुदूर इलाकों में ड्यूटी करने से मानसिक तनाव आना स्वाभाविक है, लेकिन

छोटे-छोटे उपाय कर अपने आप को मानसिक तनाव से मुक्त रह सकते हैं। अपनी ड्यूटी के साथ एक अच्छा जीवन कैसे बिताये, ये जरूरी है। व्यस्त कार्य के दौरान तनाव से बचने का प्रयास करें। अपने सेहत का ख्याल रखे। एमवे इंडिया के रिजनल कॉरपोरेट हेड संदीप मुखर्जी ने कहा कि एमवे इंडिया पुलिसकर्मियों को तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम चला रही है। देशभर में यह कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। तनाव मुक्त जीवन जीने के लिए सही समय पर खाना, योग आदि को अपने जीवनचर्या में शामिल करना होगा।

भारत निर्वाचन आयोग से नैसर्गिक न्याय की उम्मीद : जेएमएम

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने दावा किया है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा खनन लीज लेना लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 9ए के दायरे में नहीं आता है। उन्होंने कहा कि एक साजिश के तहत बीजेपी नेताओं ने इस मसले पर जनता के बीच एक नैरेटिव और परसेप्शन तैयार करने की कोशिश की है, इस पूरे मामले में हेमंत सोरेन ने गलत किया है।

...तो सक्षम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे

जेएमएम केन्द्रीय समिति के सदस्य सुप्रियो भट्टाचार्य और विधायक सुदिव्य कुमार सोनु ने शुक्रवार को रांची स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बताया कि आज इस देश में जो संवैधानिक संस्थाओं की जो दशा है, उससे सभी परिचित है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं में एक भारत निर्वाचन आयोग के बारे पहले लोगों को बहुत जानकारी नहीं दी, लेकिन जब टीएन शेपन के कांघे पर निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव



कराने की जिम्मेवारी आयी, तो लोगों को इसके बारे में टीक से पता चला। परंतु हालिया दिनों में संवैधानिक संस्थाओं के क्रियाकलाप को देखते, तो पार्टी को इस बात की आशंका है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 की धारा 9ए को लेकर की गयी शिकायत पर आयोग केन्द्रीय नेतृत्व

में एकपक्षीय लेने को बाध्य हो सकता है, यदि ऐसा कुछ होता है, तो पार्टी इस कानून की व्याख्या को लेकर सक्षम अदालत का दरवाजा खटखटाएंगी। हालांकि उन्होंने उम्मीद जतायी कि आयोग ऐसा कोई भी एकपक्षीय फैसला नहीं लगेा और हेमंत सोरेन से भी पक्ष सुन कर नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के सूचित का पालन करेगा।

बीएयू ने तसर क्षेत्र में मान्यता व ग्रेडिंग में सहयोग की सहमति दी

10 छात्र तसर क्षेत्र में करेंगे इंटर्नशिप

नामित केवीके वैज्ञानिक प्रशिक्षण में देंगे सहयोग

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) ने राज्य में तसर क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (सीटीआर एंड टीआई), रांची को सहयोग देने पर सहमति दे दी है। बीएयू कुलपति डॉं ओंकार नाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सीटीआर एंड टीआईए रांची के निदेशक डॉ के सत्यनारायण ने सार्वजनिक विस्तार प्रणाली के साथ घटती जनशक्ति को देखते हुए तसर क्षेत्र के विस्तार और सेवा समर्थन की जरूरतों को पूरा करने के लिए बीएयू को सहयोग देने की आवश्यकता जताई थी।



राज्य में तसर क्षेत्र में व्यापक संभावनाओं को देखते हुए बीएयू कुलपति डॉं ओंकार नाथ सिंह ने प्रसार कार्यों में सहयोग देने की सहमति प्रदान कर दी है। इस सहमति के मुताबिक तसर क्षेत्र में कार्यरत विभिन्न विकास

परियोजनाओं के अधीन पोषित तथा सीएसबी और प्रामद द्वारा संचालित करीब 500 सामुदायिक संस्थापित व्यक्तियों (सीआरप) की मान्यता और ग्रेडिंग की आवश्यकता को पूरा करने में समर्थन दिया जायेगा। इस मान्यता और ग्रेडिंग कार्य में

3,93,150 मतदाता करेंगे अपने मताधिकार का प्रयोग

संवाददाता

हजारीबाग : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैन्सी सहाय ने त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन को निष्पक्ष एवं बेहतर ढंग से सम्पन्न कराने के स्पष्ट निर्देश दिये है। हजारीबाग जिले में पंचायत चुनाव प्रथम,तृतीय व चतुर्थ सहित तीन चरणों में संपन्न होंगे साथ ही सरकार तथा जिला प्रशासन द्वारा निर्गत कोविड-19 के दिशा निदेशों के आलोक में सभी गतिविधियों को संपन्न कराने का निर्देश दिया है।

उन्होंने कहा कि त्रि-स्तरीय पंचायत (आम) निर्वाचन-2022 को लेकर 29

अप्रैल, 2022 को चतुर्थ चरण के निर्वाचन की सूचना प्रपत्र-5 में प्रकाशित कर दी गई है।

इसके तहत 27 मई, 2022 को होने वाले चतुर्थ चरण के मतदान जिले के पांच प्रखण्डों में सम्पन्न होगी, जिनमें कटकमसांडी, कटकमदाग, हजारीबाग केरेडारी एवं बड़कागांव शामिल हैं। इन पांच प्रखण्डों के कुल 82 पंचायत क्षेत्रों में मतदान होगा। वहीं इन प्रखण्डों में ग्राम पंचायत के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या 1026 है तथा ग्राम पंचायत के मुखिया के निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या 88 है, वहीं पंचायत समिति के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या

103 है तथा जिला परिषद के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों की कुल संख्या 10 है, जिनपर मतदान सम्पन्न होगी। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2022 के 27 मई को चतुर्थ चरण के मतदान के लिए पांच प्रखण्डों में 1026 मतदान केन्द्र बनाये गये हैं, जिनमें कटकमसांडी में 217 मतदान केन्द्र, कटकमदाग में 134, हजारीबाग सदर में 219, केरेडारी में 182 तथा बड़कागांव में 274 मतदान केन्द्र शामिल हैं। इन पांचों क्षेत्रों के कुल 393150 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे जिनमें 205372 पुरूष तथा 187777 महिला मतदाता शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल से अश्वर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र दाखिल करना शुरू हो जाएगा जो 06 मई तक चलेगा। इसी क्रम में नाम निर्देशन शुल्क जमा करने के उपरान्त संबंधित व्यक्ति को नाम निर्देशन पत्र की दो प्रति के साथ ग्राम पंचायत सदस्य हेतु परिशिष्ट-प्फ एवं मुखिया/पंचायत समिति सदस्य एवं जिला परिषद सदस्य हेतु परिशिष्ट-प्ट दो प्रति एवं उसके साथ प्रपत्र-29 की दो प्रति उपलब्ध कराना है। एक बात पर ध्यान देना आवश्यक है नाजीर रसीद पर्याप्त संख्या में कोषागार से प्राप्त कर लिया जाय। साथ ही नाम निर्देश पत्र के साथ मूल नाजीर रसीद (मिनी रिसीट) के अलावा परिशिष्ट-प्ट एवं प्रपत्र 29,

नोटरी से एफ़डेवित कराकर जमा कराना है एवं ग्राम पंचायत सदस्य के लिए परिशिष्ट-प्फ एवं प्रपत्र-29 स्वघोषित जमा कराना है। साथ ही साथ आरक्षित पद अथवा आरक्षण का दावा करने पर मूल जाति प्रमाण पत्र भी समर्पित करना है।

निर्वाचन के मद्देनजर उपायुक्त ने स्पष्ट कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान ग्राम पंचायत के मुखिया/उपमुखिया, पंचायत समिति के प्रमुख/उप प्रमुख एवं जिला परिषद के अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पद पर आसीन पदधारक यदि स्वयं पंचायत निर्वाचन-

2022 में उम्मीदवार हैं, वैसी परिस्थिति में आदर्श आचार संहिता लागू होने के कारण सरकारी सुविधाओं को उपयोग नहीं कर सकेंगे और न कोई सरकारी कार्य करेंगे। उदाहरण के तौर पर यदि मुखिया इस निर्वाचन में उम्मीदवार हैं, वे किसी योजना के तहत किसी तरह का चेक निर्गत नहीं करेंगे तथा सरकारी वाहनों का उपयोग नहीं करेंगे, किसी किसी तरह का कार्य/योजना का पारित करेंगे। यही स्थिति पंचायत समिति के प्रमुख/उप प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष/उपाध्यक्ष पर भी लागू होगी। आकस्मिकता की स्थिति में राज्य

सरकार/उपायुक्त वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

चतुर्थ चरण में त्रिस्तरीय पंचायत निकायों के ग्राम पंचायत सदस्य का नामांकन प्रक्रिया प्रखंड विकास पदाधिकारी कार्यालय, मुखिया हेतु अंचल अधिकारी कार्यालय, पंचायत समिति सदस्य हेतु सदर अनुमंडल पदाधिकारी कार्यालय (101, प्रथम तल, समाहरणालय परिसर में) तथा जिला परिषद सदस्य हेतु अपर समाहर्ता कार्यालय (201, द्वितीय तल, समाहरणालय परिसर) में 11:00 बजे पूर्वाहन से 03: 00 बजे अपराहन तक किया जाएगा।

संक्षिप्त

मेरी नियुक्ति योग्यता के अनुसार : डा. प्रणिता

हजारीबाग : विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग एम एड विभाग की निदेशक डा. प्रणिता ने कहा है कि उनकी नियुक्ति शिक्षाशास्त्र में योग्यता के अनुसार है। इस पर कोई विवाद नहीं है। स्ववित्तपोषित कोर्स में विश्वविद्यालय की ओर से स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन को उनकी नियम सम्मत हुई बहाली और 15 साल के शैक्षणिक अनुभव के बारे में पता है। दरअसल डा. प्रणिता पर एम एड की पूर्व निदेशक डा. मारोेट लकड़ा ने उनकी बहाली और उम्र पर सवाल उठाई थीं। डा. प्रणिता इसी मामले पर अपना पक्ष रखीं। साथ ही पूर्व निदेशक पर कई तरह का आरोप लगाई हैं।

क्वार्टर से दो मोबाइल की चोरी

रामगढ़ : सीसीएल तोपा बी टाइप कॉलोनी के एक क्वार्टर से गुरुवार की रात चोरों ने दो मोबाइल की चोरी कर ली। जिसकी कीमत 20 हजार रुपए बताई जाती है। घटना की सूचना कुजू ओपी पुलिस को दी गई है। जानकारी के अनुसार सीसीएल कर्मी धर्मवीर टोपो सपरिवार अपने क्वार्टर में सोए हुए थे। इस दौरान रात्रि डेढ़ बजे गर्मी को ले क्वार्टर का दरवाजा खुला देख चोर प्रवेश कर गए। साथ ही श्री टोपो की पत्नी के तक्रिए के नीचे रखे दोनों मोबाइल चुरा लिए। इस दौरान श्री टोपो की पत्नी की नींद खुल गई। उन्होंने अपने पति श्री टोपो को जगाया। लेकिन तब तक चोर बालकनी से कूदकर फरार हो गए।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत

मेदिनीनगर : जिले के हरिहरगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत सीएचसी के पास शुक्रवार को एनएच 98 पर एक अज्ञात वाहन और मोटरसाइकिल में टक्कर हो गई, जिससे एक युवक की मौत हो गयी। मृतक का नाम विकास कुमार बताया गया है। वह रामपुर तेंदुआ गांव स्थित मामा के घर से तिलक समारोह में शामिल होकर वापिस घर लौट रहा था। इसी बीच घटना घट गयी। घटना के बाद स्थानीय लोगों और उसके परिजनो ने एनएच 98 पर जाम लगा दिया। पुलिस जाम हटाने की कोशिश में है।

मुखिया पद के लिए संगीता देवी आज करेंगी नामांकन

हजारीबाग : इचाक प्रखंड के कुरहा पंचायत से मुखिया पद के उम्मीदवार संगीता देवी आज सैकड़ों समर्थकों के साथ इचाक अंचल प्रशासन में अपना नामांकन पर्चा भरेगे उन्होंने कहा कि पंचायत वसियों के सहयोग से यह चुनाव लड़ने का मौका मिला है जिसका शुभारंभ आज से करेंगे प्रथम गांव में ढोल बाजा के साथ प्रभात फेरी फिर समर्थकों के साथ इचाक अंचल कार्यालय जाएंगे उन्होंने यह भी कहा कि जीत के बाद पंचायत का विकास करना हमारा मुख्य लक्ष्य होगा।

संवाददाता

जयनगर (कोडरमा) : थाना क्षेत्र के अंतर्गत घंघरी के समीप एक तालाब में स्नान करने गए दो युवक डूबने से मौत हो गई। युवक की पहचान खेडोवार निवासी बंधु यादव के पुत्र गोविंद यादव 20 वर्ष तथा शंकर यादव के पुत्र काज्जू कुमार यादव उम्र 18 वर्ष के रूप में हुआ था।

घटना की सूचना मिलते ही बरकटड़ा विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक



सह झारखंड आवास बोर्ड के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव ने मृतक के घर पहुंच कर शोक

संवेदना प्रकट करते हुए हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया। पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव

केंद्रीय विद्यालय बरकाकाना के अंतर्‍यामी कुमार बने सचिव

संवाददाता

रामगढ़ : केंद्रीय विद्यालय प्रगतिशील शिक्षक संघ का प्रथम संभागीय अधिवेशन केंद्रीय विद्यालय एचईसी रांची में संपन्न हुआ. अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव प्रियव्रत छिकरा उपस्थित थे। अधिवेशन का संचालन शिक्षक अनिल कुमार ने किया। इस दौरान रांची संभाग के विभिन्न केंद्रीय विद्यालय से आए शिक्षक प्रतिनिधियों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए। जिसके बाद दो वर्षों के लिए कार्यकारी का गठन मुख्य चुनाव अधिकारी पूर्व प्राचार्य डॉक्टर वीएन सिंह, पर्यवेक्षक केंद्रीय विद्यालय पतरातृ के प्राचार्य आरसी गोंड, केंद्रीय संगठन सचिव रामानंद



राय की उपस्थिति में किया गया। जिसमें सर्वसम्मति से केवी एचईसी रांची के वी कुंजूर को अध्यक्ष, केवी बरकाकाना के अंतर्‍यामी कुमार को सचिव, केवी एचईसी रांची के कोषाध्यक्ष बनाया गया। राष्ट्रीय महासचिव प्रियव्रत छिकरा ने कहा के शिक्षक दृढ़ संकल्प के साथ निर्भीक होकर अपने जिम्मेदारियों का निर्वहन करें

क्षणिक लाभ के लिए के सिद्धांत से कोई भी समझौता नहीं करें। अधिवेशन का समापन केंद्रीय विद्यालय बोकारो थर्मल के शिक्षक मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया। अंतर्‍यामी कुमार के सचिव बनाए जाने के बाद केंद्रीय विद्यालय बरकाकाना के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने उन्हें बधाई दी है।

उपायुक्त ने प्रशिक्षण केंद्र पहुंच कर लिया प्रशिक्षण का जायजा

संवाददाता

हजारीबाग : जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त नैन्सी सहाय ने पंचायत निर्वाचन हेतु गठित प्रशिक्षण कोषांग को चुनाव कार्य में प्रतिनियुक्त कर्मियों/अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्देश दिया है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को इंटर साईंस कॉलेज एवं जिला प्लस टू हाई स्कूल में द्वितीय मतदान पदाधिकारियों को चुनाव संबंधी बारीकियों का प्रशिक्षण दिया गया। मौके पर उपायुक्त नैन्सी सहाय ने जिला प्लस टू स्कूल में चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान प्रखंड स्तरीय मास्टर प्रशिक्षक रामप्रवेश कुमार प्रखंड-पदमा के द्वारा दिये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम का अवलोकन किया गया।

जिला स्कूल में चल रहे त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव अन्तर्गत

मतदान कार्य में संलग्न द्वितीय मतदान पदाधिकारी को निर्वाचन कार्य के गहन एवं सूक्ष्म प्रशिक्षण मास्टर टेनस के द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में द्वितीय मतदान पदाधिकारी के कर्तव्यों तथा उनके नुटिरहित मतदान संपादन, मतदान के पूर्व, मतदान के दौरान एवं मतदान के पश्चात संपादित की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं तथा संपन्न किए जाने वाले कार्यों की सूक्ष्म तथा गहन जानकारी कर्मियों को प्रदान की गई। मौके पर उपायुक्त ने सभी प्रशिक्षुओं को इस मतदान सामग्री में क्या-क्या सामग्री उन्हें प्रदान की जाएगी, उनका उपयोग कैसे किया जाएगा, मतदान के पश्चात मतदान सामग्री जमा करते समय उन्हें क्या-क्या सामग्री तथा प्रपत्र आदि जमा करने हैं इन बिंदुओं पर विशेष ध्यान देने की बात कही। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मास्टर ट्रेनर के द्वारा चुनाव के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मतदान कर्मियों को दी गई।

संवाददाता

हजारीबाग : भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को नया समाहरणालय के समीप एक दिवसीय धरना दिया। साथ ही राज्यपाल के नाम उपायुक्त को जापन सौंपकर हेमन्त सरकार की बर्खास्तगी की मांग की।

प्रदर्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चतरा सांसद सह जिला कार्यक्रम प्रभारी सुनील सिंह ने कहा कि हेमन्त सोरेन की प्रशासनिक



अक्षमता की वजह से झारखंड की दुर्दशा हो गयी है। सांसद ने कहा कि इस भीषण गर्मी में बिजली की कटौती से लोगों का जीना दूषर हो गया है। पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। हजारीबाग में खनिज संपदा का बड़े पैमाने पर लोहन हो रहा है। पदाधिकारी बेलगाम हैं।

मांडू विधायक सह प्रदेश उपाध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि भाजपा इस सरकार का विरोध तब तक करती रहेगी जब

तक यह सरकार से मुक्ति नहीं मिल जाती। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वी नगर अध्यक्ष बबन गुप्ता ने की। संचालन जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने किया।धन्यवाद ज्ञापन जिला महामंत्री विवेकानंद सिंह ने किया।

विरोध प्रदर्शन में प्रदेश उपाध्यक्ष सह मांडू विधायक जेपी पटेल, पूर्व विधायक मनोज यादव, पूर्व विधायक जानकी यादव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सहित कई भाजपा नेता शामिल थे।

राम सुग्रीव मित्रता, बाली वध, लक्ष्मण शक्ति, राम विलाप, पांच मई को कुंभकरण व मेघनाथ वध, छह मई को रावण वध तथा राम राज्याभिषेक प्रसंग पर आधारित रामलीला का मंचन किया जाएगा। इस अवसर पर पंडित कमल पांडेय, उपेंद्र पाठक, कृष्णा पाठक, राज किशोर पाठक, हरि रत्नम साहू, मनोज सिंह सैनी, कौशल किशोर, रामचंद्र प्रजापति, तरुण कुमार, कुश श्रीवास्तव, अजीत कुमार गुप्ता, बसंत कुमार सिंह, लव कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

एक नजर

सड़क हादसे में एक की मौत, दो घायल
गिरिडीह : बगोदर थाना इलाके के डोरियो मोड़ के पास शुक्रवार सुबह बाइक और स्कूटी की टक्कर में लेखराज रविदास की मौत हो गई और दो लोग घायल हो गए। लेखराज रविदास निमियाघाट थाना क्षेत्र के नगरी के रहने वाले थे। बताया जाता है कि निमियाघाट थाना क्षेत्र के नगरी निवासी लेखराज रविदास तथा डुमरी के डेड टीला निवासी सूरज कुमार किसी काम से एक ही स्कूटी पर सवार होकर चौबै जा रहे थे। इसी दौरान बगोदर थाना क्षेत्र के डोरियों मोड़ के पास तेज रफ्तार बाइक चालक मोहम्मद आफताब आलम ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दिया, जिसे स्कूटी चालक लेखराज रविदास एवं स्कूटी में सवार सूरज कुमार सहित बाइक चालक आफताब अलम सड़क पर ही गिर गए। स्थानीय लोगों ने तीनों को मौना जनरल अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने लेखराज रविदास को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायलों की स्थिति नाजुक होने के कारण धनबाद रेफर कर दिया गया है। फिलहाल, घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस जांच कर रही है।

फंदे से लटका मिला किशोरी का शव
गिरिडीह : जिले के बगोदर थाना क्षेत्र के सरिया रोड ब्लाॅक मोड़ के समीप रहने वाले जेजर साव की 15 वर्षीय पुत्री का शव शुक्रवार को फंदे पर लटका मिला। बताया गया है कि घटना के वक्त सभी सदस्य बाहर गए हुए थे। घर में उनकी पुत्री अकेली थी। परिजनों ने बताया कि जब वापस लौटे तब फंदे से झुलता देखा। आनन-फानन में उसे फंदे से उतार बगोदर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही बगोदर थाने की पुलिस अस्पताल पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेजा दिया। घटना के कारणों का पता नहीं चल पाया है। परिजन कुछ भी बता पाने से असमर्थ थे। बहरहाल, पुलिस आत्महत्या मानकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

गैराज में चोरी का 24 घंटा में पुलिस ने किया उद्देदन
रामगढ़ : ओपी क्षेत्र के डीएवी बरकाकाना मोड़ के समीप निर्मल सिंह बाइक गैरैज में बुधवार रात हुए दो बाइक चोरी मामले का पुलिस 24 घंटे में उद्देदन कर लिया है। पुलिस द्वारा गैरैज से चोरी हुए दोनों बाइक को भी बरामद कर लिया है। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार रात चोरों द्वारा गैराज का ताला व छत की सीट तोड़कर मरम्मत के लिए आई बाइक संख्या जेचक 02जेड 9684 व जेचक 02डी 0274 समेत मोटर पार्ट्स की चोरी कर ली थी। जिसके बाद पुलिस द्वारा जांच शुरू की गयी। चोरों द्वारा दूसरे दिन गुरुवार रात भी दुकान में प्रवेश कर चोरी की घटना को अंजाम देना शुरू किया। पुलिस द्वारा निगरानी के दौरान चोरों को दुकान में प्रवेश करते देख चारों ओर से घेराबंदी कर एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। वहीं अन्य युवक अंधेरा का लाभ उठाकर भागने में सफल रहे। हिरासत में लिए गए युवक से पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों बाइक तथा चोरी की घटना को अंजाम देने वाले दो अन्य युवकों को भी गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवकों में दुर्गा बस्ती निवासी मो इबादत, मो अशरफ, अब्दुल बासित शामिल है पूरे मामले को लेकर पुलिस गिरफ्तार युवकों से पूछताछ कर रही है।

स्थानीय हो छावनी परिषद का नाभित सदस्य : पवन
रामगढ़ : भाकपा माले के पतरातृ प्रखंड समिति सदस्य और बुजुर्ग जमीरा शाखा सचिव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि रामगढ़ छावनी बोर्ड का नाभित सदस्य स्थानीय हो और किसी भी राजनैतिक दल से जुड़ा हुआ नहीं हो। छावनी बोर्ड नाभित सदस्य किर्ती गौरव राजनैतिक दल से हैं। भाजयुमो खेल प्रकोष्ठ की प्रदेश संयोजक हैं। भाजयुमो भाजपा का ही युवा संगठन है। पवन यादव ने कहा है कि छावनी बोर्ड अविलंब नाभित सदस्य को हटाये। पैसे और पैरवी के आधार पर सरकारी संस्थान में मनोनयन नहीं होना चाहिए। सांसद पैरवी करके अपने लोगों को सरकारी संस्थानों में रखवा रहे हैं। छावनी क्षेत्र के वार्ड संख्या सात में सांसद मद से आजतक एक भी काम नहीं किया गया है। कहा कि किर्ती गौरव को नहीं हटाना गया तो व्यापक आंदोलन चलेगा। साथ ही बोर्ड 18 माह से लंबित चुनाव भी जल्द कराये।

साइबर ठगों ने खाते से निकाले 28 हजार
गिरिडीह : गावां थाना क्षेत्र के निमाडीह निवासी ममता कुमारी के खाते से साइबर अपराधियों ने 28 हजार हजार रुपये उड़ा लिए हैं। भुक्त भोगी ममता कुमारी शुक्रवार को आवेदन लेकर गावां थाना पहुंची लेकिन उन्हें साइबर थाना में इसकी शिकायत करने का सुझाव दिया गया। इस संबंध में ममता कुमारी ने बताया कि तीन अप्रैल को खाते में लोन का 28 हजार हजार रुपये आए थे। पांच तरीख को चेक कितो तो पता चला कि तीन पार्ट में पैसे की निकासी तीन अप्रैल को ही कर ली गई है। बैंक ऑफ इंडिया शाखा गावां आकर स्टैटमेंट निकलवाया, जिसमें तीन अप्रैल को दस हजार रुपये दो बार और एक बार आठ हजार रुपये कैश विद ड्रॉल किया गया है। उन्होंने कहा कि इसकी लिखित शिकायत बैंक प्रबंधक को दिया गया है। कैश विद ड्रॉल किस ने की इसकी जानकारी बैंक प्रबंधक के द्वारा नहीं बताया गया। मेरे पास ना ही एटीएम है व ना ही फोन प और गूगल पे है। अभी तक मोबाइल नंबर भी खाते से नहीं जोड़ा गया है। इसके बावजूद साइबर अपराधियों ने खाते से पैसे कैशे उड़ाए। इधर, बैंक ऑफ इंडिया गावां शाखा के प्रबंधक आकाश अमन ने बताया कि ग्राहक ने लिखित शिकायत की है। आवेदन को वरीय पदाधिकारियों को फॉरवर्ड किया गया है। जल्द ही जांच कर उचित कार्रवाई की जायेगी।

सौरभ आज करेंगे नामांकन
चतरा : सौरभ सिंह जिला परिषद सीट से अपनी दावेदारी पेश करेंगे। उन्होंने अपने क्षेत्र के जन समस्याओं को देखते हुवे अपने अच्छी पढ़ाई के बाद नौकरी करने के उम्र में जन सेवा ही बेहतर समझा और आवाम के बीच रहने का फैसला लिया और जिन सदस्य पद पर शनिवार को नामांकन करने की घोषणा कर दिया। शनिवार को सुबह 10 बजे अपने नामांकन हेतु श्री सीताराम सयाल बगीचा में जन सभा का आयोजन करेंगे और इस आयोजन में भारी से भारी संख्या में पहुंचने की अपील भी की है। चुनाव को लेकर कुमार सौरभ सिंह अपने शनिवार को वर्तमान अपने समर्थकों के साथ जिला मुख्यालय आकर अपना नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। नामांकन को लेकर सभी प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा है कि जनता सर्वोपरि है। जनता के आशीर्वाद के बगैरे किसी भी जनप्रतिनिधि का कोई जनाधार नहीं होता। कहा है कि उनके साथ क्षेत्र के सम्मानित मतदाताओं और ग्रामीणों का आशीर्वाद है। मतदाताओं के आशीर्वाद के बदौलत ही वो चुनावी दंगल में भाग्य आजमा रहे हैं। सौरभ ने कहा कि जनता की अदालत में अपने दावा और चाचा जी के बाद एक बार फिर मैं आ चुका हूं, उनके समाज सेवा के निष्ठ पर परिश्रम का परिणाम मतदाता जरूर अपने आशीर्वाद के रूप में देंगे।

10 दिवसीय श्री राम लीला महोत्सव का शुभारंभ

संवाददाता

रामगढ़ : श्री रामायण प्रचारक मंडल प्रयागराज उत्तर प्रदेश के तत्वधान में श्री हनुमान मंदिर सह पंच मंदिर नया नगर बरकाकाना के प्रांगण में 10 दिवसीय श्री राम लीला महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार रात किया गया। श्री राम लीला महोत्सव की शुरूआत भगवान श्री राम के भव्य व संगीतमय आरती के साथ किया गया। महोत्सव के प्रथम दिन दशरथ पुत्र यक्षी यज्ञ, भगवान श्री राम जन्म,

मुनि आगमन प्रसंग पर रामलीला का चलंत मंचन किया गया। इस दौरान रामायण की संगीतमय चौपाइयों को सुनकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए।

रामलीला का आयोजन कर रहे प्रदीप कुमार ने बताया कि 29 अप्रैल को ताड़ुका, मारीच व सुबाहु वध, अहिल्या उद्धार, 30 अप्रैल को सीता राम स्वयंवर, रावण बाणासुर संवाद, धनुष यज्ञ, एक मई को श्री परशुराम- लक्ष्मण संवाद सीता राम विवाह, दो मई को केकई मंथरा संवाद, कैकई दशरथ संवाद,



राम वनवास, तीन मई को सूर्यनखा

की नाक छेदन, सीता हरण, राम

विलाप, चार मई को सवरी भेंट,

विनायक, दशरथ संवाद, राम

विलाप, चार मई को सवरी भेंट,

संपादकीय

शाहबाज शरीफ की अवांछनीय टिप्पणी

पड़ौसी देश पाकिस्तान में चाहे जिसकी सरकार बने और कोई भी वहां का प्रधानमंत्री बने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का नजरिया नहीं बदलने वाला है। दरअसल वहां सरकार सिर्फ दिखावे की होती है असली सत्ता तो पाकिस्तानी सेना के हाथों में होती है। भारत का विरोध करते करते और कश्मीर राग अलापते हुए इमरान खान तो प्रधानमंत्री पद से हट गए और अब उनकी जगह शाहबाज शरीफ ने पाकिस्तान की कमान संभाली है। उन्होंने सबसे पहले कश्मीर राग ही अलापा था। बाद में उन्होंने भारत के साथ फिर से अर्थिक संबंध मजबूत करने की बात कही थी और भारत के साथ दोस्ताना तात्काल बढ़ाने की मंशा जाहिर की थी। लेकिन कहते हैं न कि हाथी के दांत दिखाने के और होते है खाने के और। शाहबाज शरीफ ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हालिया जम्मू कश्मीर दौरे का जिक्र करते हुए अवांछनीय टिप्पणी की है। उनका कहना है कि भारत जम्मू कश्मीर में हालात को सामान्य दिखाने का दिखावा कर रहा है। उनका आश्रय यह है कि जम्मू कश्मीर से 370 के खत्ते के बाद हालात नहीं सुधरे है और वहां के लोग अभी भी परेशान है। दरअसल जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ फारूख अब्दुल्ल उनके बेटे उमर अब्दुल्ल और महबूबा मुफ्ती जिनकी राजनीतिक दुकानदारी अब बंद हो चुकी है वे लगातार पाकिस्तान की भाषा बोल रहे है और जम्मू कश्मीर से 370 हटाने का विरोध कर रहे है। शाहबाज शरीफ इन्ही कश्मीरी नेताओं के बयान के आधार पर बेसुरा कश्मीर राग अलाप रहे है और भारत के साथ इस मुद्दे पर बातचीत की जरूरत पर जोर दे रहे है जबकि भारत ने पहले ही साफ कर दिया है कि जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इसे लेकर किसी से कोई बातचीत करने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता। अलबत्ता पाक अधिकृत कश्मीर पर जरूर बात हो सकती है जो भारत का हिस्सा है और उसपर पाकिस्तान ने कब्जा जमा रखा है। शाहबाज शरीफ को अगर भारत के साथ बेहतर संबंध बनाने है तो उन्हे जम्मू कश्मीर को भूलना होगा और पाक अधिकृत कश्मीर के बारे में भारत के साथ बातचीत करनी होगी तभी दोनों देशों के बीच संबंध बेहतर होने की गुंजाइश बन सकती है।

लघुकथा

विकास की राह में रोड़ा न बनें नियम

जो लोग यह मानते हैं कि भारत का विकास आज से पहले ऐसे संभव नहीं था, वे अक्सर देश के विशाल नियामक और अनुपालन (नियम-पालन) तंत्र को लेकर निराश भी दिखते हैं। कभी-कभी वे नाराज और क्रोधित भी हो जाते हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह व्यवस्था भारत के तेज विकास की कहानी में अड़चन और रुकावट पैदा करती है। माना यही जाता है कि कई बेईमानों, ठगों और प्रत्यक्ष धोखेबाजों केचलते ख़ूब रुकावटें पैदा होती हैं और हमारा विशाल तंत्र भारत में कारोबार को किसी दु:स्वप्न सरीखा बना देता है।

ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा हाल ही में जारी की गई ‘जेल्ड फॉर ड्रूंग्स बिजनेस’ रिपोर्ट में चौकाने वाली 69,233 तरह की अद्वितीय मंजूरियां और औपचारिकताएं सूचीबद्ध की गई हैं। ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के वाइस प्रेसिडेंट गौतम चिकरमने और अर्बोसिस रेगटेक के सह-संस्थापक व सीईओ ऋषि अग्रवाल द्वारा तैयार यह रिपोर्ट बताती है कि 26,134 मंजूरियां या औपचारिकताओं की पालना अगर न हो, तो बतौर दंड कारावास तक की सजा हो सकती है। सबसे अधिक नियम-पालन पर जोर देने वाले राज्यों में से जिन पांच सूबों में सर्वाधिक कारावास संबंधी प्रावधान हैं, वे हैं- गुजरात (1,469), पंजाब (1,273), महाराष्ट्र (1,210), कर्नाटक (1,175) और तमिलनाडु(1,043)। मगर निराशाजनक है कि सख्त अनुपालन व्यवस्था के बावजूद, जिसमें तमाम नियम मौजूद हैं व कठोर धाराएं भी लगाई जाती हैं, लेकिन असली अपराधी कानून के लंबे हाथों से बार-बार बचते दिखाई पड़ते हैं। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत के विकास की इन बाधाओं से पूरी तरह परिचित हैं। 21 अप्रैल को आयोजित 15वें सिविल सेवा दिवस के कार्यक्रम का इस्तेमाल उन्होंने न सिर्फ लोक प्रशासन में उत्कृष्ट काम करने वाले नौकरशाहों को पुरस्कृत करने के लिए किया, बल्कि यह संदेश भी घर-घर पहुंचा दिया कि हमारी नौकरशाही अपने जटिल प्रशासनिक व्यवस्था के कारण भारत के विकास में एक बड़ी चुनौती पेश कर रही है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा साल 2013 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में नाम की घोषणा होने के बाद अपने शुरुआती अनुभवों को याद करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा, जब मेरी पार्टी ने पहली बार 2013 में प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में मेरे नाम की घोषणा की थी, तब मुझे दिल्ली में कारोबारी समुदाय ने बुलाया था। मैंने उनके बीच एक भाषण दिया। तब 2014 के आम चुनाव होने में चार से छह महीने की देरी थी। जब उन्होंने मुझसे पूछा कि प्रधानमंत्री बनने के बाद मैं क्या करूंगा, तब मैंने कहा, मैं हर दिन एक कानून खत्म करूंगा, कोई नया कानून मैं नहीं बनाऊंगा। यह सुनकर वे चौंक गए थे। और, अपने पहले पांच वर्षों में मैंने 1,500 कानून खत्म भी किए। बिना किसी लान-लपेट के प्रधानमंत्री ने कहा, यह आप जानते ही हैं कि इस तरह के सैकड़ों कानून अपने देश में रहे हैं, जिनको मैं भारत के नागरिकों के लिए बोझ समझता हूं। आप मुझे बताइए, आखिर हमें ऐसे कानूनों को क्यों ढोना चाहिए? आज भी मेरी यही राय है कि इस तरह के कई कानून, जो बेकाम हो चुके हैं, उनके खिलाफ हम कुछ पहल क्यों नहीं करते? उनको खत्म क्यों नहीं कर देते? देश को इस गैर-जरूरी जाल से बाहर निकालना ही होगा।

पाठकों की बात

सिर्फ मतलब से

सिर्फ मतलब से तुम्हारा हो नहीं सकता इस तरह रिश्ता तो प्यारा हो नहीं सकता जिन्दगी के वास्ते बेशक जरूरी है बिन मुहब्बत के गुजारा हो नहीं सकता दिल दुखाया है अगर तुमने किसी का तो वो कभी मन से तुम्हारा हो नहीं सकता कर दिया रसवा अगर तुमने कोई साथी फिर तुम्हारा वो दुबारा हो नहीं सकता। - मित्र गाजियाबादी

इतनी शिदहत से की

इतनी शिदहत से की मोहब्बत उससे दूर जाना अब मुझे गवारा नही, लाख कर ले वो कोशिशें अपनी बिन उसके अब मेरा गुजारा नही। दिल की धड़कन में बसते रही मेरे सने में सास बन कर तुम सदा पर तुम कभी न ये कहना की मैंने तुम्हे प्रेम में कभी पुकारा नही। - आकांक्षा द्विवेदी



विकास कुमार

भारतीय संविधान के भाग 4 अनुच्छेद 40 में इससे संबंधित उपबंध थे जो प्रवर्तनीय प्रक्रिया नहीं थी।पंचायती व्यवस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देने के पीछे राज्य संघात्मक व्यवस्था का उल्लंघन बताकर इसके पक्ष में नहीं थे। यही कारण रहा कि राजीव गांधी जी का 64 वां संशोधन (1989) और वीपी0 सिंह का संवैधानिक प्रयास (1 जून 1990) असफल रहा। पंचायतो को संवैधानिक दर्जा 1992 और 1993 में 73 वे संवैधानिक संशोधन के द्वारा दिया गया था जिसमें नरसिम्हा राव जी ने अथक प्रयास किया था।इनके चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोग की होती है जिसका उपबंध भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243 का (ब) करता है।कुछ राज्यों ने इसके चुनाव की घोषणा कर दिया है क्योंकि संविधान था इनका कार्यकाल 5 वर्ष रखा गया है जिसका प्रावधान भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243(श्व) ही करता है परंतु जिस उद्देश्य के लिए पंचायती व्यवस्थाओं की अधिधारणा को लागू किया गया है वह अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त करने में असहाय प्रतीत हो रहा है।



नरविजय यादव

हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल या डिस्पेंसरी में बूस्टर डोज मुफ्त लगावाई जा सकेगी। केंद्र सरकार ने देश भर में मुफ्त बूस्टर डोज की सुविधा सिर्फ 60 साल से ऊपर के लोगों को दी है। देश भर में बूस्टर डोज अपने खर्च पर लगवाने का प्रावधान है। प्राइवेट अस्पतालों को बूस्टर डोज 250 रुपए में दी गई है, जिस पर 150 सुविधा शुल्क लगाता है, यानी लोगों को एक बूस्टर डोज करीब 400 रुपए की पड़ती है। बूस्टर डोज उन व्यक्तियों के लिए उपयोगी है जिन्हें वैक्सीन की दूसरी डोज लिए हुए नौ महीने हो चुके हैं। वैक्सीन का असर नौ माह के बाद कम होने लगता है, ऐसे में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए बूस्टर डोज कारगर होती है।

अभिव्यक्ति

लोकतंत्र का बुनियादी आधार है पंचायती व्यवस्था

पंचायती व्यवस्थाओं को स्थानीय प्रशासन का मूल आधार स्तंभ माना जाता है। भारत में प्राचीन काल से ही स्थानीय स्वशासन का प्रावधान मिलता है। भारतीय लोकतंत्र में आजादी के बाद से ही पंचायती व्यवस्थाओं को महत्व दिया जाने लगा था जिसके लिए विभिन्न प्रकार के प्रतिरूपों को अपनाया जाने लगा। पंचायती राज व्यवस्था के बारे में गांधीजी की है विचारधारा रही है कि ग्राम पंचायतों को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाया जाए जिससे कि संपूर्ण प्रशासनिक गतिविधियां ग्रामीण स्तर की इनके द्वारा ही संचालित हों। यही कारण है कि भारतीय संविधान निर्माताओं ने इसके लिए अलग से प्रावधान जोड़े थे। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है जिसमें चुनाव आयोग के 2019 के सूची के अनुसार, लगभग 90 करोड़ मतदाता पंजीकृत हैं। ‘रूरल कनेक्शन नेटवर्क’ के अनुसार, पूरे देश में 239000 ग्राम पंचायतें हैं, जो संविधान के सातवीं अनुसूची में वर्णित राज्य सूची का विषय है। इनके प्रबंधन, वित्तीय व्यवस्था, निर्वाचन एवं संरचना की व्यवस्था का दायित्व राज्य सरकार पर निर्भर होता है। भारत की शासन व्यवस्था तीन स्तर पर कार्य करती है। जिसमें तीसरा स्तर स्थानीय स्वशासन (पंचायती व्यवस्था) हैं। भारतीय संविधान के भाग 4 अनुच्छेद 40 में इससे संबंधित उपबंध थे जो प्रवर्तनीय प्रक्रिया नहीं थी। पंचायती व्यवस्थाओं को संवैधानिक दर्जा देने के पीछे राज्य संघात्मक व्यवस्था का उल्लंघन बताकर इसके पक्ष में नहीं थे। यही कारण रहा कि राजीव गांधी जी का 64 वां संशोधन (1989) और वी.पी. सिंह का संवैधानिक प्रयास (1 जून 1990) असफल रहा। पंचायतों को संवैधानिक दर्जा 1992 और 1993 में 73 वे संवैधानिक संशोधन के द्वारा दिया गया था जिसमें नरसिम्हा राव जी ने अथक प्रयास किया था। इनके चुनाव कराने की जिम्मेदारी राज्य निर्वाचन आयोग की होती है जिसका उपबंध भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243 का (K) करता है। कुछ राज्यों ने इसके चुनाव की

घोषणा कर दिया है क्योंकि संविधान था इनका कार्यकाल 5 वर्ष रखा गया है जिसका प्रावधान भारतीय संविधान का अनुच्छेद 243(E) ही करता है परंतु जिस उद्देश्य के लिए पंचायती व्यवस्थाओं की अवधारणा को लागू किया गया है वह अपने मूल उद्देश्य को प्राप्त करने में असहाय प्रतीत हो रहा है। इसमें सभी प्रत्याशियों के द्वारा



आज लगभग पूरे देश में पंचायती राज पद्धतियों का गठन किया जा चुका है ,परंतु वास्तविक स्थिति में उतनी आत्मनिर्भर निर्भरता देखने को नहीं मिली, जितना कि इसको लागू करने के समय सपना देखा गया था। आरक्षण का प्रावधान पंचायती पद्धतियों में अनुच्छेद 243 क (छ,4) किया तो गया है, परंतु उसका पूरा लाभ ना महिलाएं ले पाती पाती हैं और ना ही नीचे तबके के वर्ग, क्योंकि आज भी कई पूर्वाग्रह प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान किया जाता है द घ जब पंचायती व्यवस्था सुदृढ़ और आत्मनिर्भर बनेगी तभी भारत का लोकतंत्र और मजबूत होगा द घ सुधार की प्रक्रिया ग्रामीण से ही शुरू हो सकती है। महिलाएं सरपंच तो बन जाती हैं परंतु वह प्रशासन नहीं चलाती हैं प्रशासन उसके पति द्वारा चलाया जाता है।

शासनादेश का इतजार किया जाता है और अपनी –अपनी सुविधानुसार तैयारियां भी आरंभ कर दी जाती हैं। मतदाताओं और प्रत्याशियों के मध्य वार्तालाप प्रारंभ होता है परंतु संवाद प्रारंभ नहीं होता, क्योंकि संवाद की प्रक्रिया तो चुनाव में अक्सर रिक्त रहती है। संवाद की स्थिति में ना ही मतदाता है और ना ही प्रत्याशी। राजनीतिक दलों के बड़े-बड़े नेताओं का भी इन चुनावों में आगमन होता है जिससे वह अपनी उपलब्धियां गिनाते हैं।मतदाता भी सुनकर आनंदित होता है और बाद में नेता की जिंदाबाद भी बोलता है क्योंकि वह भूल

चुका होता है कि हमारी स्थानीय समस्याएं लोन के पैसों का कमीशन, आवास कमीशन, सड़क और पानी की समस्याएं क्या है? शिक्षा और स्वास्थ्य तो इन चुनावों में गौड मुद्दे बन जाते हैं। प्राथमिक विद्यालयों की स्थिति और अन्य सभी स्थानीय कार्य मतदाता भूल चुका होता है और मुखिया भी उसी को बना देता है,

जब स्थानीय स्तर पर सुधार होगा तभी यह प्रक्रिया आगे बढ़ सकेगी। मतदाता को अपने मत का प्रयोग स्वेच्छ और सोच विचार कर करना चाहिए जिससे 5 वर्षों के लिए योग्य नेता के निर्देश लागू हो सके और स्थानीय संस्थाओं की स्थिति मजबूत हो जिससे अन्य स्तरों पर भी सुधार होे। आज लगभग पूरे देश में पंचायती राज पद्धतियों का गठन किया जा चुका है ,परंतु वास्तविक स्थिति में उतनी आत्मनिर्भर निर्भरता देखने को नहीं मिली, जितना कि इसको लागू करने के समय सपना देखा गया था। आरक्षण का प्रावधान पंचायती पद्धतियों में अनुच्छेद 243 क (D,4) किया तो गया है, परंतु उसका पूरा लाभ ना महिलाएं ले पाती पाती हैं और ना ही नीचे तबके के वर्ग, क्योंकि आज भी कई पूर्वाग्रह प्रवृत्तियों से प्रेरित होकर ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान किया जाता है द घ जब पंचायती व्यवस्था सुदृढ़ और आत्मनिर्भर बनेगी तभी भारत का लोकतंत्र और मजबूत होगा। सुधार की प्रक्रिया ग्रामीण से ही शुरू हो सकती है। महिलाएं सरपंच तो बन जाती हैं परंतु वह प्रशासन नहीं चलाती हैं प्रशासन उसके पति द्वारा चलाया जाता है। एससी एसटी वर्ग का व्यक्ति सरपंच तो बन जाता है परंतु प्रशासन किसी धनाढ्य लोगों द्वारा चलाया जाता है। आज भी कई राज्य ऐसे हैं जिन्होंने पंचायती व्यवस्थाओं को उनके संपूर्ण विषयों को हस्तांतरित नहीं किया है। पंचायत के चुनाव में भी छल और बल से काम लिया जाता है। किस व्यक्ति की पहुंच शासन प्रशासन के ऊपर तक होती है प्रभुत्व पदों पर वही आसीन होता है। यही कारण है कि जिन उद्देश्य से भी का निर्माण किया गया था वह पूरा नहीं हो पा रहा है। गांव के विकास के नाम पर करोड़ों का फंड सरकारों के द्वारा दिया जाता है, परंतु उसका संपूर्ण लाभ गांव के सही व्यक्ति पर नहीं खर्च होता है। यही कारण रहा कि आज तक पंचायती व्यवस्था पूर्णतया आत्मनिर्भर और उन संपूर्ण सपनों को साकार नहीं कर सकी जिनके लिए इनको संगठित किया गया है।

प्रेम की बूस्टर डोज मिल जाए तो बात बन जाए

कोरोना की चौथी लहर के बारे में कहा जा रहा है कि जून में आएगी। कोविड के मामले बढ़ने लगे हैं, लेकिन तसल्ली की बात यह है कि मरीजों को अस्पतालों में भर्ती करने की नौबत नहीं आ रही है। ज्यादातर मरीज अपने घर पर रहते हुए ही इलाज करा रहे हैं और ठीक भी हो रहे हैं। अब कोरोना से मौत के मामले तो न के बराबर हैं। परंतु सभी को सावधान रहने की जरूरत है, इसीलिए मास्क को अभी जारी रखना होगा। चंडीगढ़ में तीन हफ्ते बाद ही मास्क पहनने का नियम लौट आया। अब यदि सार्वजनिक स्थानों और भीड़भाड़ वाली जगहों पर बिना मास्क मिले तो 500 रुपए का चालान कटेगा, नहीं बरा तो एफआईआर दर्ज हो जाएगी। केरल की सरकार ने भी मास्क को अनिवार्य कर दिया है। दिल्ली एनसीआर से जुड़े यूपी व हरियाणा के 11 जिलों में पहले ही मास्क पहनना अनिवार्य घोषित कर दिया गया था। हरियाणा में 18 से 59 साल के लोगों को कोविड की बूस्टर डोज मुफ्त में लगाई जाएगी। प्रदेश में बूस्टर डोज पर आने वाला करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च कोरोना राहत कोष से किया जाएगा।

हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल या डिस्पेंसरी में बूस्टर डोज मुफ्त लगावाई जा सकेगी। केंद्र सरकार ने देश भर में मुफ्त बूस्टर डोज की सुविधा सिर्फ 60 साल से ऊपर के लोगों को दी है। देश भर में बूस्टर डोज अपने खर्च पर लगवाने का प्रावधान है। प्राइवेट अस्पतालों को बूस्टर डोज 250 रुपए में दी गई है, जिस पर 150 सुविधा शुल्क लगता है, यानी लोगों को एक बूस्टर डोज करीब 400 रुपए की

पड़ती है। बूस्टर डोज उन व्यक्तियों के लिए उपयोगी है जिन्हें वैक्सीन की दूसरी डोज लिए हुए नौ महीने हो चुके हैं।



कहते हैं कि प्रेम एक सुपर पॉवर है। जब आप किसी व्यक्ति, चीज या अपने शौक के प्रेम में पड़ जाते हैं तब अछा महसूस करने लगते हैं। ऐसा मस्तिष्क में फील गुड हार्मोन्स के रिसाव के कारण होता है। ये वही हार्मोन हैं जो टहलने, व्यायाम करने और कुछ मीठा खाने से रिसते हैं। इनसे मूड अच्छा हो जाता है। जब हमें प्रेम मिल जाता है तो यह किसी जैविक आतिशबाजी की तरह होता है। इससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है। अमेरिकी न्यूरो साइंटिस्ट स्टेफनी आर्टिंग कहती हैं कि जब हम अपने साथी के प्रति प्रेम रखते हैं तब मन में गहरी शांति महसूस होती है। प्रेम के प्रभाव से दर्द कम हो जाता है, व्यक्ति की रचनात्मकता बढ़ जाती है और याद रखने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। जीवन में यदि चाहने वाले दोस्तों और केयर करने वाले रिश्तेदारों की कमी हो तो उससे कुछ प्रकार की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे नींद न आना, ब्लड प्रेशर बढ़ जाना या डायबटीज हो जाना।

वैक्सीन का असर नौ माह के बाद कम होने लगता है, ऐसे में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए बूस्टर डोज कारगर होती है। दुनिया के अधिकांश देशों में बूस्टर डोज सरकार की ओर से लगाई जा रही है, जबकि हमारे देश में अधिकांश आबादी को इसके लिए पैसे देने पड़ रहे हैं। वैक्सीन लगवाने के बाद शरीर में एंटीबॉडी बनने लगती हैं जो कोरोना को बेअसर कर देती हैं और व्यक्ति को संक्रमण नहीं होता है। बूस्टर डोज मिलने के बाद शरीर में फिर से एंटीबॉडी बन जाती हैं।

कहते हैं कि प्रेम एक सुपर पॉवर है। जब आप किसी व्यक्ति, चीज या अपने शौक के प्रेम में पड़ जाते हैं तब अच्छा महसूस करने लगते हैं। ऐसा मस्तिष्क में फील गुड हार्मोन्स के रिसाव के कारण होता है। ये वही हार्मोन हैं जो टहलने, व्यायाम करने और कुछ मीठा खाने से रिसते हैं। इनसे मूड अच्छा हो जाता है। जब हमें प्रेम मिल जाता है तो यह किसी जैविक आतिशबाजी की तरह होता है। इससे दिल की धड़कन बढ़ जाती है। अमेरिकी न्यूरो साइंटिस्ट स्टेफनी आर्टिंग कहती हैं कि जब हम अपने साथी के प्रति प्रेम रखते हैं तब मन में गहरी शांति महसूस होती है। प्रेम के प्रभाव से दर्द कम हो जाता है, व्यक्ति की रचनात्मकता बढ़ जाती है और याद रखने की क्षमता में भी वृद्धि होती है। जीवन में यदि चाहने वाले दोस्तों और केयर करने वाले रिश्तेदारों की कमी हो तो उससे कुछ प्रकार की शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे नींद न आना, ब्लड प्रेशर बढ़ जाना या डायबटीज हो जाना।

QUIZ TIME

- मुफ़्त राशन प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के कार्यान्वयन के लिए विस्तारित वैधता क्या है?
- अन्तर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन वर्ल्ड कप 2022 में भारत ने कितने स्वर्ण पदक जीते?
- छोट नागपुर का पठार किस प्रकार का पठार है?
- ग्राम पंचायतों और प्रखण्ड समिति के मध्य समन्वय कौन स्थापित करता है?
- महात्मा गाँधी ने किसके अनुरोध पर महिलाओं को नमक आन्दोलन में शामिल किया?

झारखण्ड (5) महाराष्ट्र (10) गुजरात (4) तमिल नाडु (3) व (2) तटोड ‘अन्नदाता’ (1) -आंध्रप्रदेश

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)।1030: गजनवी वंश के पहले स्वतंत्र शासक सुल्तान महमूद का निधन। 1598: अमेरिका में पहली बार थियेटर का आयोजन। 1789: जॉर्ज वॉशिंगटन सर्वसम्मति से अमेरिका के पहले राष्ट्रपति चुने गए। 1870: भारतीय सिनेमा के पितामह धुंदीराज फाल्के उर्फ दादा साहब फाल्के का जन्म। 1908: खुदीराम बोस और प्रफुल्ल चाकी ने मुजफ्फरपुर में किंग्सफोर्ड के मजिस्ट्रेट की हत्या करने के लिए बम फेंका, लेकिन दो बेगुनाह बम की चपेट में आकर मारे गए। 1945: जर्मन तानाशाह हिटलर एवं उसकी पत्नी इवा ब्राउन ने आत्महत्या की।1956: अमेरिका के पूर्व उप राष्ट्रपति एल्बेन बार्कली की वर्जीनिया में एक भाषण के दौरान मौत। 1973: अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने देश के राष्ट्रपति

के नाते वॉटरगेट कांड की जिम्मेदारी ली हालाँकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि वह निजी तौर पर इसके लिए जिम्मेदार नहीं हैं। 1975: वियतनाम युद्ध का अंत हुआ। तीन दिन के सत्तारूढ़ राष्ट्रपति दुओंग वैन मिन्ह ने अपनी सेनाओं से सर्पण करने और उसरी वियतनामियों से हमले रोकने को कहा। 1991: बांग्लादेश में भीषण चक्रवात में सवा लाख से अधिक लोगों की मौत और 90 लाख लोग बेघर। 1993: जर्मनी के हैम्बर्ग शहर में एक मैच के दौरान उस समय की दुनिया की नंबर एक टेनिस खिलाड़ी मोनिका सेलेज़ को छुरा मारकर घायल कर दिया गया। 2008: चालक रहित विमान लक्ष्य का ओडिशा के बालासोर जिले के चांदीपुर समुद्र तट से सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। 2020: अभिनता ऋषि कपूर का निधन।



चाँद पर जाते रोज वो जीवन

चाँद पर जाते रोज वो। जीवन रहे हैं खोज वो॥ जहां ईश्वर ने सब दिया। उस धरती के बोझ वो। - राजकुमार शर्मा

हर मोड़ पर देते है परीक्षा फिर भी

हर मोड़ पर देते है परीक्षा फिर भी थकते नही है हम जिंदगी तुझे जीने के लिये दम भर कर चलते है हम एक तेरे साथ के लिये तुझसे लड़ते-झगड़ते तेरे साथ-साथ चलते है हम जिंदगी तुम खुदगर्ज हो जाते हो,पर हम खुदगर्ज होते नही फिर भी तेरे साथ चलते है हम फिर भी ना जाने क्यों हर बार यही होता जिंदगी जब तुम दगा देती तो खत्म हो जाते है हम। जिंदगी मरकर भी तुझे याद करते है हम।



मैं गरीब भिखारी हूं मेरा कोई

मैं गरीब, भिखारी हूं , मेरा कोई ईमान कहां है, है दुख जीवन में मेरे, पर सुख का अधिकार कहां है। मां - बाप का बन जाऊं सहारा, पर मेरा रोजगार कहां है, मेहनतका मुझ गरीब का, अपना खेत खलिदान कहां है। ओ साहब मैं गरीब हूं, बस यही पहचान मेरा है। - संजय सिंह राजपूत

निगाहें फिर निगाहों से मिला लेती

निगाहें फिर निगाहों से मिला लेती तो अच्छा था यूँ शरमा कर निगाहें फिर झुका लेती तो अच्छा था तेरे रखसार को छू ले ये किस्मत में नहीं शायद मेरी हसरत को तुम पायल बना लेती तो अच्छा था तेरे दीदार को आंखें तरसती रह गयी मेरी बना काजल तू आंखों में लगा लेती तो अच्छा था तेरे अल्फाज फिर खामोश हो कर शोर करते हैं उन्हीं अल्फाज में खुद को समा लेती तो अच्छा था तेरी आहट तेरी सांसें मुझे महसूस होती हैं मुझे सासों में अपनी तू बसा लेती तो अच्छा था।



- दिनेश भोपाली

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

खास पाती

प्रतिदिन तुम आते हो अपने

प्रतिदिन तुम आते हो अपने हाथों की मुट्ठी बाँधे कानों में धीरे से अर्गिनित शब्द दोहराते हो लोचन प्रणयसूत्र में देते हो बाँध भर देते हो गालों में स्मित हास्य बो देते हो उर में प्रेम बीज तुम आते हो प्रतिदिन अब तो नियम सा हो गया है तुम्हारा आना जैसे आता है सूरज , चाँद जीवन में दे जाते हो शब्दों के कण और तुम चाहते हो कण कण मिलाकर मैं ऋचाएं रचूं आलोकित करू जीवन पथ गढ़ू नई सृष्टि विचरूं तुम्हारे साथ अपने होने का आभास करूं न छुकर भी सब कुछ पाना न होकर भी मुझको भर देना मुझे खोलकर अपने हाथों को मेरे हाथों में देना चलो मेरे संग उस निशब्द दुनियाँ में मेरे भावों को तुम शब्दों में पिरोना मेरे साथी तुम प्रतिदिन आना। - सरिता शैल

जिंदगी के रंगमंच पर जन्म लेते

जिंदगी के रंगमंच पर जन्म लेते ही कई किरदार निभाए जाते हैं। कुछ हंसाए जाते हैं, कुछ रलाये जाते हैं। कोई बेपरवाह जिये जाते हैं कोई जिम्मेदारी उठये जाते हैं। ये जिन्दगी का रंगमंच है साहब, यहाँ मन और बेमन से भी अपने हिस्से के किरदार निभाये जाते है। कभी खुद को तखलीफ में रक्कर, मुस्कुराये जाते हैं। जिंदगी के रंगमंच का कोई पारिश्रमिक नहीं मिलता, हर किसी के दिल में खुशियों का कमल नहीं खिलता। जिन्दगी के आखरी पड़ाव पर हर किरदार दम तोड़ देता है, ये जिन्दगी का रंगमंच है साहब, फिर नए किरदार से साथ अपना नाता जोड़ लेता है। - सपना परिहार

आजा कि दे दी इजाज़त तुझे

आजा कि दे दी इजाज़त, तुझे ख्वाबों में मेरे आने की क्या जरूरत मुझसे मिलने को, तुझे किसी बहाने की मुहब्बत करने वालों से तो ज़माना सदा जलता ही रहा दिल में छिपा रख लूँगी ज़ुलिम निगाहों से ज़माने की। - नीलोफर नीरू

